Electrification and renovation of railway Stations in Punjab

2420. SHRI VIRENDRA KATARIA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether some railway stations in Punjab have been identified where the work of electrification and renovation of railway stations will be undertaken in the year 1994-95 ; and

(b) if so, the names of the stations and the progress of the work as on date ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. IAFFER SHARIEF):

(a) All stations in Punjab are electrified. As all the stations are in good condition, no station is proposed to be renovated in 1994-95.

(b) Does not arise.

Construction of a bridge over the Nagpur Itarsi Railway line

2421. SHRI T. VENKATRAM REDDY:
DR. SHRIKANT RAMCHANDRA IICHKAR:

Willi the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Government have received memoranda, representations and letters from time to time from the Grampancha-yat, villagers and other representatives of village Dhaulapur in Katol Talukaof Nagpur District of Maharashtra regarding construction of a bridge or access over the Nagpur Itarsi Railway Line near their Village; and

(b) what action has been taken by Government thereon ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. IAFFER SHARIEF):

(a) Five representations have been received, including one from Shri Charan Singh Thakur, Member District Council, Nagpur for provision of a level crossing,

(b) Representationists have been advised that in the interest of safety, only a manned level crossing can be considered. The work will be on 'deposit' terms, i.e., the party making the proposal will have to bear the entire expenditure, initial as **well** as recurrinp maintenance and operational cost.

मध्य रेल्वे की मुख्य लाइन पर दुर्घटना

2422. **श्री रावबजी :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1994 के दौरान मुंबई बी० टी० और दिल्ली के बीच मध्य रेल्वे की मुख्य लाईन पर हुई दुर्घटनाओं की कुल संख्या कितनी है और इन दुर्घटनाओं में कुल कितनी जन-धन की हानि हुई है ;

(ख) इन दुर्घटनाओं के मुख्य कारण क्या है ; और

(ग) भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ़) : (क) जनवरी से नवम्बर, 1994 के दौरान मध्य रेलवे के मुंबई बी०टी० दिल्ली मार्ग पर 22 दुर्घटनाएं हुई थीं जिनमें 6 व्यक्तियों की जाने गईं । इन दुर्घटनाओं में रेल सम्पति को 718.80 लाख रुपये की हानि होने का अनुमान है ।

(ख) ये दुर्घटनाएं "रेल कर्मचारियों की गलती", "यांत्रिक उपस्करों की खराबी", "रेल पथ सामग्री की खराबी" आदि के कारण हुई ।

(ग) ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए गए कुछ उपाय इस प्रकार हैं :—

(i) रेल पथ, चल स्टाक और पुलों जैसी मताम परिसम्पत्तियों का नवीकरण और पुनर्स्थापन ।

(ii) शेडों और कारखानों में सवारी डिब्बों, माल डिब्बों और रेल इंजनों की भली भांति आवधिक जांच ताकि उन्हें अच्छी हालत में रखा जा सके ।

(iii) दरारों का पता लगाने के लिए पटरियों और धुरों की पराश्रव्य जांच ।

(iv) उन्नत प्रौद्योगिकी के अनुरूप कर्मचारियों को अनुरक्षण दक्षता बढाना ।

(v) भेद्य और गाड़ी के पटरी से उतरने की संभावना वाले खंडों की पहचान और वहां आवश्यक साधन सामग्री लगाना ।

(vi) संरक्षा कोटि के कर्मचारियों को गहन प्रशिक्षण और परामर्श देना ।

(vii) प्रारंभिक स्तर पर संरक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए क्षेत्र संस्थापनाओं और परिचालनिक प्रक्रियों का गहन निरीक्षण करने के लिए उच्च स्तरीय दलों का गठन ।

(viii) सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों और पर्यवेक्षकों द्वारा किए जाने वाले संरक्षा निरीक्षणों में वृद्धि ।

(ix) दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार पाये गये कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी और निवारक कार्रवाई ।